ई–बुलेटिन

# कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

खंड IV अंक X

जनवरी, 2013

इस अंक में:


- तमिलनाडु के बैंकरों को संवेदनशील बनाने में नाबार्ड की भुख्य भुमिका
- माह के उद्यमी – श्री शिवा महालिंगम
- माह का संस्थान – राज लक्ष्मी पोलीटेक्नीक कॉलेज, तमिलनाडु


कृषि उद्यमी एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमिता विकास संवर्धन के लिए कार्यरत देश के कृषि उद्यमी, बैंकर, एग्री बिजनेस कंपनियां, नोडल प्रशिक्षण संस्थान, विस्तान कार्यकर्ता तथा कृषि व्यवसाय चिंतक अपने अनुभव सहभाजित करते हैं।

## एग्रीक्लीनिकों तथा एग्री बिजनेस केन्द्रों की योजना के संबंध में तमिलनाडु के बैंकरों का संवेदीकरण करने में नाबार्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

श्री सुदर्शन, एजीएम, नाबार्ड, 3 जनवरी, 2012 को तिरुवन्नामलाई के भागीदारों को संबोधित करते हुए

. नाबार्ड ने 26 नवम्बर, 2013 को तमिलनाडु क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई में एसी तथा एबीसी योजना पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला और दिनांक 3 जनवरी, 2013 को तिरुवन्नामलाई में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया।

राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन, बैंकरों तथा कृषि व्यवसायियों के बीच योजना को लोकप्रिय बनाने और योजना को आगे ले जाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए किया गया था। वाणिज्यिक बैंकों, राज्य स्तरीय बैंकर समिति (एसएलबीसी), मैनेज, तमिलनाडु के नोडल प्रशिक्षण संस्थानों (एनटीआई) जैसे लोक सेवा स्वैच्छिक संघ (वीएपीएस) तथा राष्ट्रीय कृषि फाउंडेशन (एनएएफ) ने अपने कुल 45 प्रतिनिधियों के साथ कृषि उद्यमियों के साथ भाग लिया था।

डीजीएम, नाबार्ड ने एसी और एबीसी योजना के महत्व पर और कार्यशाला के प्रयोजन पर बल दिया। दिनांक 7.8.12 को एसी और एबीसी पर राष्ट्रीय समीक्षा कार्यशाला के दौरान लिए गए निर्णयों पर भागीदारों को जानकारी देते हुए महाप्रबंधक ने इस बात पर बल दिया कि वित्तपोषक बैंक को 15 दिनों के भीतर आवेदकों को उनके ऋण आवेदन की स्थिति बतानी चाहिए। उन्होंने बैंकरों से आग्रह किया कि वे समस्त महत्वपूर्ण परिपत्रों को समस्त शाखा प्रबंधकों के ध्यान में लाएं। श्री राम रेड्डी, सलाहकार, मैनेज ने योजना और तमिलनाडु में लंबित ऋण मामलों की जानकारी दी।

..... पृष्ठ 4 पर क्रमागत

# हम खुशहाल जब गॉव खुशहाल

श्री शिवा महालिंगम, जिनके पास राज्य कृषि विभाग और इंडियन ओवरसीज़ बैंक का भरपूर अनुभव है, कृषि उद्यमियों के दल में सम्मिलित हो गएऔर अनूठे तरीके से तमिलनाडु कृषकों की सेवा कर रहे हैं। वर्ष 1968 में उन्होंने कृषि में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की और उन्होंने विस्तार अधिकारी के रूप में राज्य कृषि विभाग में अपना कैरियर आरंभ किया। इस दौरान उन्होंने वर्ष 1973 में बागवानी में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की और इंडियन ओवरसीज़ बैंक में कार्यभार संभाला। वे सहायक महाप्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

अपनी सेवानिवृत्ति के पश्चात् उन्होंने मारूति एग्री क्लीनिक और कृषि सेवा केन्द्र की स्थापना की और वॅलेंटरी असोशीयशन फॉर पीपल सर्वीस (वीएपीएस) मदुरै में एसी और एबीसी प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में उन्होंने विस्तार सेवाओं में बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जैसे प्रशिक्षण, परामर्श, जागरूकता अभियान, फील्ड दिवस तथा फसल बीमा सेवाएं।

## मारूति एग्री क्लीनिक तथा कृषि सेवा केन्द्र द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं

- कृषि–बागवानी परामर्शी सेवाएं
- पावर टिलर तथा धान प्रत्यारोपण प्रचालनों के संबंध में महिला स्व सहायता समूहों को प्रशिक्षण
- धान, गन्ने, दलहनों और नारियल के लिए राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (एनएआईएस) के अंतर्गत सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राधिकृत एजेंसी।
- सरकारी योजनाओं के संबंध में निकटवर्ती 10 गांवों में सीजनल जागरूकता कार्यक्रम तथा मन्नाई के रोटरी क्लबों के सहयोग से 'गांवों की ओर प्रयाण' नामक नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी अभियान।
- कृषि उपकरणों की कस्टम हायरिंग तथा कृषकों को मशीनरी और समस्त निर्दिष्ट कृषि इनपुटों का वितरण।
- एस्काट्र्स ट्रैक्टरों, पावरट्रैक एंड स्पेयर्स, रोटोवेटर्स एंड स्पेयर्स, फार्म इम्प्लीमेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कुबोट्टा पावर टिलर्स एंड स्पेयर्स, मनाम राइस प्लांटर्स एंड स्पेयर्स – सदर्न एग्रो इंजन प्राइवेट लिमिटेड तथा जैन इरीगेशन पाइप्स के लिए प्राधिकृत वितरक/इनकी बिक्री/सर्विस और अतिरिक्त पुरजों के प्राधिकृत डीलर।

अनेक क्षेत्रों में अत्यधिक अनुभव रखने के कारण वीएपीएस के एसी और एबीसी प्रशिक्षणार्थियों को, संसाधन व्यक्ति के रूप में उनके अनुभवों से लाभान्वित होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। वे इंडोविंड इंडिया लिमिटेड के परियोजना सलाहकार हैं जो 500 एकड़ के क्षेत्र में कन्याकुमारी में स्थित आर्गेनिक फार्म है। वे अरविंद फिशफार्म तथा हैचरी, फिश फीड यूनिट, जो 60 एकड़ में फैली है, तथा तिरुमाकोट्टई स्थित एस.आर. गोट फार्म्स के स्टाल फेड गोट रीयरिंग (100+5) के भी परियोजना सलाहकार हैं। वे तिरुवायुर जिले के सभी 10 खंडों, 195 गांवों और 2536 कृषकों को कवर करते हैं और उनका औसत वार्षिक कारोबार 5 करोड़ रुपये है।

श्री एस. महालिंगमम

उनके शब्दों में – "मैं सदैव महात्मा गांधी के इन स्वर्णिम शब्दों का पालन करता हूं कि हम तभी खुशहाल हो सकते हैं जब गांव खुशहाल हों।' माटी का बेटा होने के नाते मैं अंतिम सांस तक भारतीय कृषक समुदाय को अपनी सेवाएं प्रदान करता रहूंगा"

श्री शिवा महालिंगम से 0944372020 पर और smligam1947@yahoo.com पर संपर्क किया जा सकता है।

# अभिनव आकांक्षाओं के लिए मार्ग प्रशस्त करता हुआ राजलक्ष्मी पोलीटेक्नीक कॉलेज

केएसकेएसआर शैक्षिक न्यास, तिरुवन्नामलाई का राजलक्ष्मी पोलीटेक्नीक कॉलेज (आरपीसी) पोलीटेक्नीक शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण समुदाय को सेवा प्रदान कर रहा है तथा कॉलेज द्वारा प्रस्तावित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में जिन अभ्यर्थियों ने स्नातक की शिक्षा प्राप्त की है उन्हें यह कॉलेज लाभप्रद रोजगार भी प्रदान कर रहा है। वर्ष 2008 में इसकी स्थापना हुई थी और इसका ध्येय था गुणवत्तापूर्व पोलीटेक्नीक शिक्षा, प्रशिक्षण और व्यावसायिक प्रमाणन प्रदान करने के लिए उत्कृष्ट स्रोत के रूप में कार्य करना ताकि दुनियाभर की तकनीकी शिक्षा और उद्योगों की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके और तकनीकी शिक्षा की  उत्कृष्टता को और उन्नत बनाने के लिए कार्य किया जा सके। इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों, नामतः यांत्रिक (डीएमई), सिविल (डीसीई), इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन (डीईसीई), टूल एंड डाइमेकिंग (डीटीएंडडी), रेफ्रीजेरेशन और एयरकंडीशनिंग (डीआर और एसी) तथा आटोमोबाइल इंजीनियरिंग, में यह छह डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।

## उपलब्धियां

- वन विभाग के सहयोग से केवल हरित क्षेत्र के लिए निर्दिष्ट 10 एकड़ भूमि पर एक लाख वृक्षों का रोपण।
- बेरोजगार युवाओं के लिए सफलतापूर्वक एनआई–एमएसएमई, हैदराबाद के तीन कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए।

## एसी और एबीसी योजना के साथ जुड़ाव

आरपीसी, वर्ष 2012 से मैनेज के साथ जुड़ा है। अब तक 67 छात्रों को दो कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया और 35  कृषि उद्यमों की स्थापना की गई जिनमें कृषि सेवा केन्द्रों, कस्टम हायरिंग, नर्सरी, कृषि इनपुट आपूर्ति, एग्रीक्लीनिक, जैव उर्वरक उत्पादन, डेरी, गोटरी, फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना जैसे विभिन्न कार्य शामिल थे। इनमें से तिरुवन्नामलाई इनपुट – आपूर्ति संघ (टीएएआई), आरपीसी के समग्र मार्गदर्शन के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर प्रशिक्षणार्थियों की सहायता के लिए एग्रीवेंचर आरंभ करने के लिए एक अनूठा विचार लेकर आया है।

श्री अंशुल मिश्रा, आईएएस, पूर्व जिला कलक्टर, तिरुवन्नामलाई और श्री विजय मारूति पिगाले, आईएएस, मौजूदा जिला कलक्टर ने टीएएआई के साथ संपर्क किया, इसके प्रयासों की सराहना की और यह इच्छा व्यक्त की कि अन्य अनेक कृषि व्यवसायियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान करके और स्थापित करके टीएसआई अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार और प्रसार करे। अभिनव मॉडल आरंभ करके तथा मौजूदा मॉडलों के परिष्कार द्वारा, आरपीसी सफलता दर को बढ़ाने की योजना बना रहा है।

## सहयोगपूर्ण गतिविधियां

- नोडल अधिकारी समस्त प्रशिक्षणार्थियों को परिवार/अभिभावक सहित लाभप्रद नवोद्यमों की संभावनाओं को परखने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- व्यक्तिगत रूप से या कृषि उद्यमी के साथ नियमित रूप से बैंक जाते हैं ताकि बैंकरों को लंबित एसी और एबीसी परियोजनाओं की व्यवहार्यता के संबंध में आश्वस्त किया जा सके।
- पहले के बैचों के प्रशिक्षणार्थियों के लिए 3 फरवरी, 2013 को एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया और मुद्दों पर चर्चा करने तथा कृषि उद्यमियों के मार्गदर्शन के लिए बैंकरों को आमंत्रित किया गया।

राजलक्ष्मी पोलीटेक्नीक कॉलेज से निम्नलिखित पते पर संपर्क किया जा सकता है:–
नंबर 58/41, वर्थागार स्ट्रीट, सोमासिपाडी, आयनगुनम रोड,
तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु–606611, फोन 04175–251346,
मोबाइल : 09443223136, फैक्स: 04175–251632
ई मेल: . sugnthareddy@gmail.com



सुश्री आर. सुगंथारेड्डी,

पृष्ठ 1 का क्रमागत

श्री मुरूगन, नोडल अधिकारी, नेशनल एग्रो फाउंडेशन (एनएएफ) तथा श्री अरुल, नोडल अधिकारी, स्वैच्छिक लोक सेवा संघ (वीएपीएस) ने योजना के कार्यान्वयन को लेकर कुछ मुद्दे उठाए, जिनका वर्णन नीचे किया गया है:–

- मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार छूट के बावजूद, 5 लाख रुपये तक के ऋण के लिए बैंकों द्वारा मार्जिन राशि पर बल दिया जाना।
- एसी और एबीसी योजना के मार्गदर्शी सिद्धांतों के बारे में शाखा प्रबंधकों में जागरूकता का अभाव।
- कृषि स्नातक, निधि जारी किए जाने में विलंब के कारण रोजगार बदल रहे हैं या अन्य क्षेत्रों में जा रहे हैं।

डीजीएम, नाबार्ड ने यह कहते हुए उत्तर दिया कि मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार 5 लाख रुपये तक के ऋणों के लिए मार्जिन राशि पर बल न दिया जाए। कृषि उद्यमियों और एमटीआई को उन्होंने नाबार्ड के ध्यान में ऐसी स्थितियां लाने का परामर्श दिया ताकि वे मामले को आरबीआई के साथ उठा सकें। डीजीएम, नाबार्ड ने यह भी कहा कि योजना के मार्गदर्शी सिद्धांत बैंकों के समस्त नियंत्रक कार्यालयों को अग्रेषित किए गए थे और उनसे यह अनुरोध किया गया था कि वे इनका परिचालन बैंक शाखाओं को कर दें। एसएलबीसी संयोजक ने भागीदारों को यह बबताया कि इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) में एसी तथा एबीसी योजना के लिए एक पृथक प्रकोष्ठ विद्यमान था। उन्होंने एसएलबीसी बैठकों का एजेंडा मदों के तौर एसी और एबीसी को सम्मिलित किए जाने की बात पर ध्यान दिया है।

नाबार्ड ने 3 जनवरी, 2013 को तिरुवन्नामलाई में एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन भी किया ताकि बैंकरों और कृषि उद्यमियों के बीच जागरूकता पैदा की जा सके। इसमें जिन लोगों ने भाग लिया उनमें एसबीआई, इंडियन बैंक, करूर वैश्य बैंक, सेंट्रल को–आपरेटिव बैंक, आईओबी, केनरा बैंक, कल्लवन, ग्राम बैंक, कारपोरेशन बैंक के प्रतिनिधि, संयुक्त निदेशक, कृषि (जेडीए), तिरुवन्नामलाई, नोडल प्रशिक्षण संस्थान तथा कृषि उद्यमी सम्मिलित थे। श्री सी. शेखर, एलडीएम, इंडियन बैंक, तिरूवन्नामलाई ने एसी और एबीसी योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन पत्रों पर विचार द्वारा योजना को आवश्यक संवेग प्रदान करने हेतु बैंक प्रबंधनों से आग्रह किया। योजना के ब्यौरों को स्पष्ट करते हुए, श्री सुदर्शन, एजीएम, नाबार्ड तिरुवन्नामलाई ने एसी तथा एबीसी योजना के संबंध में एनटीआई द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो कृषि क्लीनिकों तथा कृषि व्यवसाय केन्द्र योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण प्रगति, सहयोगपूर्ण कार्यों, वित्तीय आउटपुट और सब्सिडी के संबंध में भावी कृषि उद्यमियों को अद्यतन जानकारी देता है। यह वेबसाइट स्थापित कृषि उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं आदि के ब्यौरों से संबंधित

एग्रीक्लीनिकों तथा एग्री बिजनेस केन्द्र योजना के संबंध में यदि कुछ पूछना चाहें तो कृपया indianagripreneur@manage.gov.in पर

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि" "

'कृषि उद्यमी' का प्रकाशन, महाप्रबंधक,
मैनेज, हैदराबाद, द्वारा किया जाता है।
हमसे इस पते पर संपर्क करें:–
कृषि उद्यमिता विकास केन्द्र (सीएडी)
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान
(मैनेज), राजेन्द्र नगर, हैदराबाद,
पिन – 500030
आन्ध्र प्रदेश, भारत
टेलीफैक्स : +91(40)–24016693

मुख्य संपादक : श्री बी. श्रीनिवास, आईएएस
संपादक – डा. पी. चन्द्र शेखर
सह संपादक – डा. लक्ष्मी मूर्ति
श्रीमती एन. सुनीता